राष्ट्रीय सहारा
कानपुर • सोमवार • 3 अप्रैल • 2023

रसात में आम की फसल का किसान करें बचाव

सीएसए कृषि विवि की सलाह

ुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं ाकी विवि ने वेमौसम वारिश उपरांत के वागवान किसानों के लिए ड़्जरी जारी कि या है। विवि प्रसार लय के उद्यान वैज्ञानिक अनिल कुमार क अनुसार वारिश के वाद आम की में कीट एवं रोगों के प्रकोप की प्रवल ना रहती है। अप्रैल माह में आम के की विशेष रूप से देखभाल की यकता होती है।

न्होंने वताया कि इस समय आम के र मटर के दानों से भी वड़े आम के न चुके हैं। इस समय भुनगा कीट की ा होती है। इसकी रोकथाम के लिए थकजाम 25 डव्लू जी की 1 ग्राम मात्रा ते 3 लीटर पानी के हिसाव से घोलकर पर छिड़काव करना चाहिए। इसके ा आम में स्केल कीट भी लगता है, ग्नियों, वौरों एवं फलों में चिपक कर सता है। यह कीट सफेद रंग का होता नके नियंत्रत हेतु डाईमेंथोएट 20 ईसी मिलीमीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में र पत्तियों, शाखाओं और वौरों पर ाव करना चाहिए।

ॉ.सिंह ने वताया कि आम की फसल रोग भी आता है। इसकी रोकथाम के ड़्क्सआकोनाजोल 50 एसएल की 1 ीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर देने से इसका नियंत्रण हो जाता है। आम की फसल में एंथ्रेकनोज रोग की संभावना भी रहती है। इस रोग के नियंत्रण हेतु कार्वेडाजिम 50 डव्लूपी की 1 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। आम के फलों के झड़ने की समस्या यदि हो तो वागवान प्लानओंफिक्स 4.5 प्रतिशत की 0.5 मिलीमीटर मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाव से छिड़काव करना चाहिए।

विवि मीडिया प्रभारी डॉ.खलील खान ने कहा कि आम के फलों की अच्छी वृद्धि हेतु घुलनशील उर्वरक 19 : 19: 19 के 5 ग्राम और सूक्ष्म पोषकतत्व मिश्रण की 5 ग्राम के प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव लाभप्रद होगा।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

91, लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, सोमवार, 03 अप्रैल, 2023 पृष्ठ:

'बेमौसम वर्षा उपरांत सीएसए ने जारी की आम की बागवानी हेतु एडवाइजरी

(अनवर अशरफ) कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने बेमौसम वर्षा उपरांत आम के बागवान भाइयों हेतु एडवाइजरी जारी कर कहा है कि बेमौसम वर्षा उपरांत आम की फसल में कीट एवं रोगों के आम की फसल में प्रकोप की प्रबल संभावना है उन्होंने बताया कि माह अप्रैल में आम के बागों की विशेष रूप से देखभाल की आवश्यकता होती है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि इस समय आम के पेड़ों पर मटर के दानों से भी बड़े फल बन चुके हैं।इस समय भुनगा कीट की समस्या होती है। इसकी रोकथाम के लिए थाईमैंथकजाम 25 डब्ल्यू जी की 1 ग्राम मात्रा को प्रति 3 लीटर पानी के हिसाब से घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम में स्केल कीट भी लगता है जो टहनियों, बौरो एवं फलों में चिपक कर रस चूसता है तथा यह कीट सफेद रंग का होता है इसके नियंत्रण हेतु डाईमेंथोएट 30 ईसी की 2 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं और बौरो पर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस समय आम की फसल में खर्रा रोग भी आता है इसकी रोकथाम के लिए हेक्सआकोनाजोल 50ैस् की 1 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देने से इसका नियंत्रण हो जाता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम की फसल में एंथ्रेकनोज रोग की संभावना है। बागवान भाई इस रोग के नियंत्रण हेतु कार्बेंडाजिम 50ॅच की 1 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोलकर छिड़काव करना चाहिए। आम के फलों के झड़ने की समस्या अगर हो तो बागवान भाई प्लानओंफिक्स 4.5ः की 0.5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करने से आम के झड़ने की समस्या दूर हो जाती है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने कहा कि आम के फलों की अच्छी वृद्धि हेतु घुलनशील उर्वरक 19रू 19रू 19 के 5 ग्राम और सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण की 5 ग्राम को प्रति लीटर पानी कि दर से घोल कर छिड़काव लाभ प्रद होगा।

बेमौसम वर्षा, आम की बागवानी हेतु एडवाइजरी

डीटीएनएन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने बेमौसम वर्षा उपरांत आम के बागवान भाइयों हेतु एडवाइजरी जारी कर कहा है कि बेमौसम वर्षा उपरांत आम की फसल में कीट एवं रोगों के आम की फसल में प्रकोप की प्रबल संभावना है उन्होंने बताया कि माह अप्रैल में आम के बागों की विशेष रूप से देखभाल की आवश्यकता होती है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि इस समय आम के पेड़ों पर मटर के दानों से भी बड़े फल बन चुके हैं।इस समय भुनगा कीट की समस्या होती है। इसकी रोकथाम के लिए थाईमेंथकजाम 25 डब्ल्यू जी की 1 ग्राम मात्रा को प्रति 3 लीटर पानी के हिसाब से घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम में स्केल कीट भी लगता है जो टहनियों, बौरो एवं फलों में चिपक कर रस चूसता है तथा यह कीट सफेद रंग का होता है इसके नियंत्रण हेतु डाईमेंथोएट 30 ईसी की 2 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं और बौरो पर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस समय आम की फसल में खर्रा रोग भी आता है इसकी रोकथाम के लिए हेक्सआकोनाजोल 50 स्रुकी 1 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देने से इसका नियंत्रण हो जाता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम की फसल में एंथ्रेकनोज रोग की संभावना है। बागवान भाई इस रोग के नियंत्रण हेतु कार्बेंडाजिम 50 ङ्कक्की 1 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोलकर छिड़काव करना चाहिए। आम के फलों के झड़ने की समस्या अगर हो तो बागवान भाई प्लानओफिक्स 4.5त्र की 0.5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करने से आम के झड़ने की समस्या दूर हो जाती है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने कहा कि आम के फलों की अच्छी वृद्धि हेतु घुलनशील उर्वरक 19ः 19ः 19 के 5 ग्राम और सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण की 5 ग्राम को प्रति लीटर पानी कि दर से घोल कर छिड़काव लाभ प्रद होगा।

बेमौसम वर्षा, आम की बागवानी हेतु एडवाइजरी

डीटीएनएन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने बेमौसम वर्षा उपरांत आम के बागवान भाइयों हेतु एडवाइजरी जारी कर कहा है कि बेमौसम वर्षा उपरांत आम की फसल में कीट एवं रोगों के आम की फसल में प्रकोप की प्रबल संभावना है उन्होंने बताया कि माह अप्रैल में आम के बागों की विशेष रूप से देखभाल की आवश्यकता होती है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि इस समय आम के पेड़ों पर मटर के दानों से भी बड़े फल बन चुके हैं।इस समय भुनगा कीट की समस्या होती है। इसकी रोकथाम के लिए थाईमेंथकजाम 25 डब्ल्यू जी की 1 ग्राम मात्रा को प्रति 3 लीटर पानी के हिसाब से घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम में स्केल कीट भी लगता है जो टहनियों, बौरो एवं फलों में चिपक कर रस चूसता है तथा यह कीट सफेद रंग का होता है इसके नियंत्रण हेतु डाईमेंथोएट 30 ईसी की 2 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं और बौरो पर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस समय आम की फसल में खर्रा रोग भी आता है इसकी रोकथाम के लिए हेक्सआकोनाजोल 50 स्रुकी 1 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देने से इसका नियंत्रण हो जाता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम की फसल में एंथ्रेकनोज रोग की संभावना है। बागवान भाई इस रोग के नियंत्रण हेतु कार्बेंडाजिम 50 ङ्कक्की 1 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोलकर छिड़काव करना चाहिए। आम के फलों के झड़ने की समस्या अगर हो तो बागवान भाई प्लानओफिक्स 4.5त्र की 0.5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करने से आम के झड़ने की समस्या दूर हो जाती है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने कहा कि आम के फलों की अच्छी वृद्धि हेतु घुलनशील उर्वरक 19ः 19ः 19 के 5 ग्राम और सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण की 5 ग्राम को प्रति लीटर पानी कि दर से घोल कर छिड़काव लाभ प्रद होगा।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

रविवार 02 अप्रैल, 2023 | अंक - 337

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID DA

सीएसए ने जारी की आम की बागवानी हेतु एडवाइजरी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने बेमौसम वर्षा उपरांत आम के बागवान भाइयों हेतु एडवाइजरी जारी कर कहा है कि बेमौसम वर्षा उपरांत आम की फसल में कीट एवं रोगों के आम की फसल में प्रकोप की प्रबल संभावना है उन्होंने बताया कि माह अप्रैल में आम के बागों की विशेष रूप से देखभाल की आवश्यकता होती है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि इस समय आम के पेड़ों पर मटर के दानों से भी बड़े फल बन चुके हैं। इस समय भुनगा कीट की समस्या होती है। इसकी रोकथाम के लिए थाईमैथकजाम 25 डब्ल्यू जी की 1 ग्राम मात्रा को प्रति 3 लीटर पानी के हिसाब से घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम में स्केल कीट भी लगता है जो टहनियों, बौरो एवं फलों में चिपक कर रस चूसता है तथा यह कीट सफेद रंग का होता है इसके नियंत्रण हेतु डाईमैथोएट 30 ईसी की 2 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं

और बौरो पर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस समय आम की फसल में खर्रा रोग भी आता है इसकी रोकथाम के लिए हेक्साकोनाजोल 5OSL की 1 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देने से इसका नियंत्रण हो जाता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम की फसल में एंथ्रेकनोज रोग की संभावना है। बागवान भाई इस रोग के नियंत्रण हेतु कार्बेंडाजिम 50 WP की 1 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोलकर छिड़काव करना चाहिए। आम के फलों के झड़ने की समस्या अगर हो तो बागवान भाई प्लानऑफिक्स 4.5प्रतिशत की 0.5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करने से आम के झड़ने की समस्या दूर हो जाती है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने कहा कि आम के फलों की अच्छी वृद्धि हेतु घुलनशील उर्वरक 19: 19:19 के 5 ग्राम और सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण की 5 ग्राम को प्रति लीटर पानी कि दर से घोल कर छिड़काव लाभ प्रद होगा।

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष : 7, अंक : 308 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, सोमवार
03 अप्रैल, 2023
मूल्य ₹ 3.00

www.shashwattimes.com

सिद्धगंधर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि। सेव्यमाना यदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायनी।।

बेमौसम वर्षा उपरांत सीएसए ने जारी की आम की बागवानी हेतु एडवाइजरी

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने बेमौसम वर्षा उपरांत आम के बागवान भाइयों हेतु एडवाइजरी जारी कर कहा है कि बेमौसम वर्षा उपरांत आम की फसल में कीट एवं रोगों के आम की फसल में प्रकोप की प्रबल संभावना है उन्होंने बताया कि माह अप्रैल में आम के बागों की विशेष रूप से देखभाल की आवश्यकता होती है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि इस समय आम के पेड़ों पर मटर के दानों से भी बड़े फल बन चुके हैं।इस समय भुनगा कीट की समस्या होती है। इसकी रोकथाम के लिए थाईमैंथकजाम 25 डब्ल्यू जी की 1 ग्राम मात्रा को प्रति 3 लीटर पानी के हिसाब से घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम में स्केल कीट भी लगता है जो टहनियों, बौरो एवं फलों में चिपक कर रस चूसता है तथा यह कीट सफेद

रंग का होता है इसके नियंत्रण हेतु डाईमेंथोएट 30 ईसी की 2 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं और बौरो पर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस समय आम की फसल में खर्रा रोग भी आता है इसकी रोकथाम के लिए हेक्सआकोनाजोल 50 स्रु की 1 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देने से इसका नियंत्रण हो जाता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम की फसल में एंथ्रेकनोज रोग की संभावना है। बागवान भाई इस रोग के नियंत्रण हेतु कार्बेंडाजिम 50 ड्ब्लुक्क की 1 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोलकर छिड़काव करना चाहिए। आम के फलों के झड़ने की समस्या अगर हो तो बागवान भाई प्लानओंफिक्स 4.5ब्ल की 0.5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करने से आम के झड़ने की समस्या दूर हो जाती है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने कहा कि आम के फलों की अच्छी वृद्धि हेतु घुलनशील उर्वरक 19ॅ 19ॅ 19 के 5 ग्राम और सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण की 5 ग्राम को प्रति लीटर पानी कि दर से घोल कर छिड़काव लाभ प्रद होगा।